यहूदा

1 यहूदा केर ओरि ते जउन यीसु मसीह कइ दासु
अउर याकूब कइ भाई हैं, उइ बुलावा हुवै कैइ
नाम जउन परमेसुर बाप म पिरय अउर यीसु मसीह
कइ खातिर सुरच्छा म है।

2दया अउर सान्ती अउर पिरेम तुमहीं को जियादा
मिला हय।

पाप दन्डु आदेसु अउर परमेसुर रहित मनई

3ऐ पियारे, जबै हम तुमका ई उद्धारु कइ बारे मा
लिखन म बहुति मेहनत ते तय्यार करित रहै जउन म
हम सबन सहभागी भवा, मुला हम तुमका ई समुझावा
जरुर चाही कि उइ विसवासु कइ खातिर पूरी कोसिस
कीन करौ जउन पवित्तर लोगन क एक ही बारी
सौंपन गवा रहै। 4काहे ते कई अइसन मनई चुपके ते
हम मा आ मिलिहइं। जिके ई दन्ड केर बारे मा
पहिलेन ते लिखा गवा रहै। ई भक्तिहीन दय, अउर
हमार परमेसुर केर अनुगरह केर लुचपन मा बदल
डारति हइ, अउर हमार एक मातर स्वामिन अउर
परभु यीसु मसीह का इनकार करति हइ।

5पर जदपि तुम सबन बात का एक बारि जानि
चुकै हौ, तबहिनो हम तुमका ई बाति केर सुधि
दिलावत चाहीं कि परभु ने एक कुल को मिसर देस
ते छुड़ाई केर बादि विसवासु न लावन वालेन क
नासु करि दीन। 6फिर जउन सरगदूतन ने अपन पद
को स्थिर न राखि, मुला आपन निवासु क छाड़ि
दिहिन, उइ ने उइन क भी उइ बुरे दिनन कइ न्याय
के खातिर अन्धकारु मा जउन सदा काजु कइ खातिर
बन्धन मा राखि रहैं। 7जउनी रीति ते सदोम अउर
अमोरा अउर उइ कइ आस–पासु कइ नगर, जउन ई
केर तना बेभिचारी होइ गयन रहेन अउर दूसर सरीर
कइ पाछे लागि गयन रहैं आगि कइ अनन्तु दन्ड म
परी केर दिरिस्टान्त ठहरी।

8उइ रीति ते ई सपन देखन वालेन अपन–अपन
सरीर का असुद्ध करति हइ, अउर परभुता कइ तुच्छ
जानति हय, अउर ऊंची पद वालने को बुरा भला
कहति हय। 9मुलाकि परधान सरगदूत मीकाईल जबै
सैतान मूसा कइ लोथ के बारे म झमेला करति रहै,
तउ उइ कइ बुरा–भला कहि कइ दोसु लगावै कै
साहसु नाहिन किहिन, पइ ई कहिस, कि परभु तुमका
डांटी। 10पइ ई लोगन जउन बातन कइ नाई जानत
है, उइ कइ बुरा–भला कहित हय, पइ जउन बातन
क अचेतन पसुवन कै तना सुभाउ ही ते जानित हय,
उइन म अपन को नासु करति हय।

11उइन पइ हाय! कि वे कैन की तना चलति हय,
अउर मजदूरिन खातिर विलाम की तना भरस्ट होइ
गये हय अउर कोरह की तना विरोधु करि कै नासु
होइ गवा हय।

12ई तुम्हार परेम समान म तुहार साथु खाति पीयत,
समुंदर म छिपी भई चट्टान की तना हय, अउर बेधड़क
अपन ही पेट भरेन वोलन हय, उइ पानी बिन बादल
हय, जिका हवा उड़ाई लै जावत हय, पतझर कइ
बिनु फल केर पेड़ हय, जउन दुसरी बार मरि चुकै
हय, अउर जर ते उखाड़ि गये हय। 13ई समुंदर कइ
परचंड हिलकोरै हय, जउन अपन लाज कइ फेन
उछालत हय: ई डाँवा डोलि तारे हय, जेहिके खातिर
सदा कालु तक घोर अँधेरु रक्खा गवा हय।

14अउर हनौकौ जउन आदम ते सातवीं पीढ़ी म
रहै इन कइ बारे म ई भविसवानी किहिन, कि देखौ
परभु अपन लाखन पवित्तरन केर साथे अइहैं। 15कि
सबन कइ नियावु करै, अउर सबन भक्तिहीनन क
उइ केर अभक्ति केर सबन कामन का बारे मं जउन
उनहिन भक्तिहीन होऊ के कीन हय, अउर उइन सबै
कठोर बातन कइ बारे म भक्तिहीन पापिन ने उनकै
विरोधु म कहिन हइ, दोसु ठहरावा जाई 16ई तौ
असन्तुस्ट कुड़कुड़ान वालेन अउर अपन बुरी इच्छानुसार
चलन वालेन हय अउर अपन मुँह ते घमंड की बातन
बोलत हइ, अउर वहि अपन लाभु कइ खातिर मुँह
देखिन बड़ाई करत हंई।

हमार रच्छक केर बुलाहट

17पइ ऐ पियारों तुम उइन बातन का याद राखौ,
जउन हमार परभु यीसु कइ परेरित पहिलेन कह
चुकिन हयं। 18वहि तुमते कहत रहै, कि पिछले
दिनन मा अइसन ठट्ठा करै वालेन होइहैं, जउन
अपन अभक्ति कइ अभिलासन के मुताबिक चलति
रहैं, 19ई तो वही आंय जउन फूट डालत हय, ई
सांसारिक लोगन हय, जउन मं आतमा नाहीं।
20पइ ऐ पियारों, तुम अपन बहुतै पवित्तर
विसवासु मा अपन तरक्की करत रहव, अउर
पवित्तर आतमा म पराथना करति रहौ। 21अपन
आप का परमेसुर कइ पिरेम म बनाइ राखौ, अउर
अनंत जीवन कइ खातिर हमार परभु यीसु की
दया केर आसा द्याखत रहौ।
22अउर उइन पइ जउन संका म हैं दया करौ।
23अउर बहुतन क आगिन म ते झपटि केर निकारो,
अउर बहुतन पइ डर केर साथु दया करौ, वरन उइ
कपड़नौ ते भी घिना करौ, जउन सरीरन केर जरिये
कलंकित होइ गवा हइ।

परमेसुर केर तारीफ

24अबै जउन तुमका ठोकरि खाय ते बचा सकति
हय, अउर अपन महिमा की भरपूरन कइ सामने
मगन अउर निरदोसु करिकै ठारी केर सकति हयं।
25उइ अदवैत परमेसुर हमार उद्धारकरता की महिमा,
अउर गौरव, पराकरम, अउर अधिकारु, हमार परभु
यीसु मसीह केर जरिये जइसन सनातन कालु ते हय,
अबै तलक होइ अउर जुगन—जुगन रहै। आमीन।